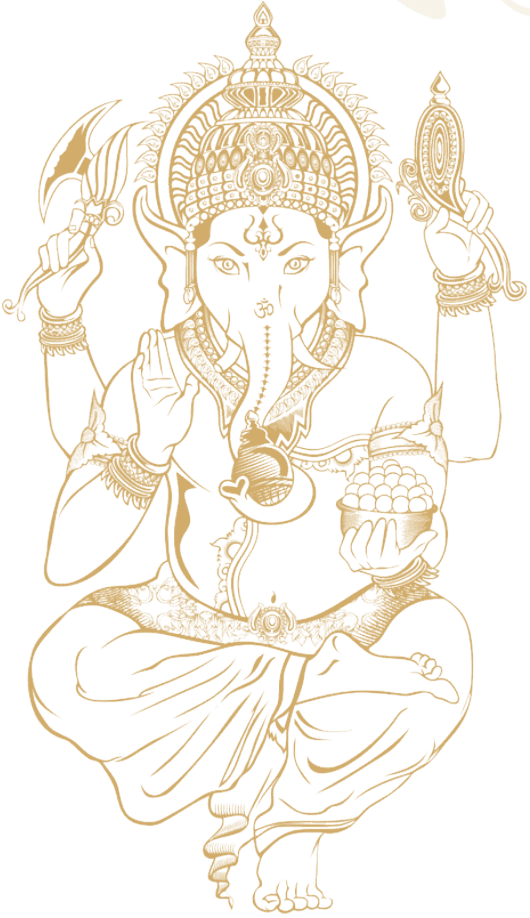

Rishul jatt

24 Jul 1996

05:30 PM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121938402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24/07/1996**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**17:30:00 घंटे**
इष्ट	29:47:54 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:09:12 घंटे
वेलान्तर	-00:06:29 घंटे
साम्पातिक काल	13:19:09 घंटे
सूर्योदय	05:34:50 घंटे
सूर्यास्त	19:19:18 घंटे
दिनमान	13:44:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	08:02:51 कर्क
लग्न के अंश	11:02:37 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुभ
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तनुजा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:02:37	340:06:21	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			कर्क	08:02:51	00:57:18	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	17:15:40	13:16:44	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मिथु	05:19:53	00:40:32	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
बुध			कर्क	22:02:48	01:50:49	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	16:29:56	00:06:40	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			वृष	25:54:34	00:38:12	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	स्वराशि
शनि	व		मीन	13:33:48	00:00:34	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	16:48:19	00:00:58	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	16:48:19	00:00:58	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	08:49:38	00:02:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व		मक	02:23:56	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:36:10	00:00:33	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कन्या	27:36:27	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:37

लग्न-चलित

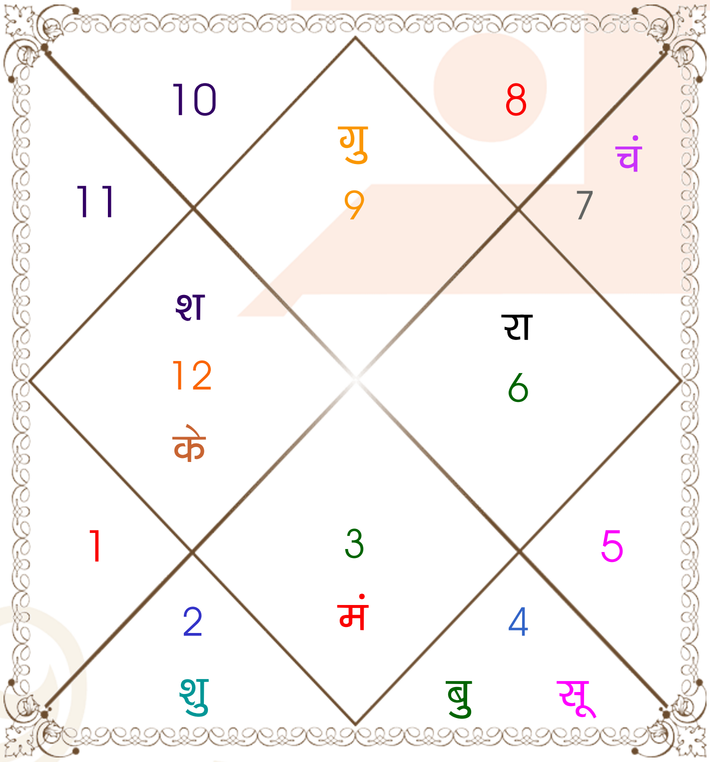

चन्द्र कुंडली

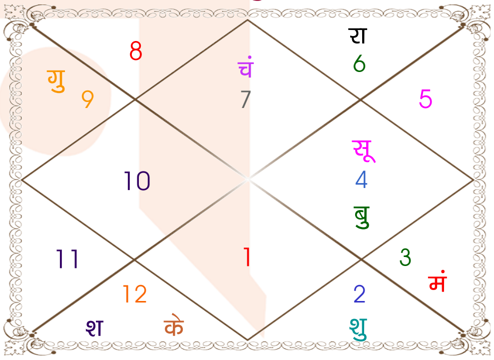

नवमांश कुंडली

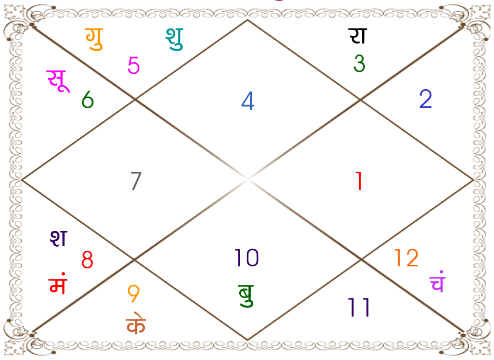

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 3 वर्ष 8 मास 11 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
24/07/1996	05/04/2000	05/04/2016	05/04/2035	05/04/2052
05/04/2000	05/04/2016	05/04/2035	05/04/2052	05/04/2059
00/00/0000	गुरु 24/05/2002	शनि 08/04/2019	बुध 01/09/2037	केतु 01/09/2052
00/00/0000	शनि 04/12/2004	बुध 17/12/2021	केतु 29/08/2038	शुक्र 01/11/2053
00/00/0000	बुध 12/03/2007	केतु 25/01/2023	शुक्र 29/06/2041	सूर्य 09/03/2054
00/00/0000	केतु 16/02/2008	शुक्र 27/03/2026	सूर्य 06/05/2042	चंद्र 08/10/2054
24/07/1996	शुक्र 17/10/2010	सूर्य 09/03/2027	चंद्र 05/10/2043	मंगल 06/03/2055
शुक्र 23/10/1996	सूर्य 05/08/2011	चंद्र 07/10/2028	मंगल 01/10/2044	राहु 24/03/2056
सूर्य 16/09/1997	चंद्र 04/12/2012	मंगल 16/11/2029	राहु 21/04/2047	गुरु 27/02/2057
चंद्र 18/03/1999	मंगल 10/11/2013	राहु 22/09/2032	गुरु 27/07/2049	शनि 08/04/2058
मंगल 05/04/2000	राहु 05/04/2016	गुरु 05/04/2035	शनि 05/04/2052	बुध 05/04/2059

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
05/04/2059	05/04/2079	05/04/2085	05/04/2095	06/04/2102
05/04/2079	05/04/2085	05/04/2095	06/04/2102	00/00/0000
शुक्र 05/08/2062	सूर्य 24/07/2079	चंद्र 03/02/2086	मंगल 02/09/2095	राहु 17/12/2104
सूर्य 05/08/2063	चंद्र 23/01/2080	मंगल 04/09/2086	राहु 19/09/2096	गुरु 13/05/2107
चंद्र 05/04/2065	मंगल 29/05/2080	राहु 05/03/2088	गुरु 26/08/2097	शनि 19/03/2110
मंगल 05/06/2066	राहु 23/04/2081	गुरु 05/07/2089	शनि 05/10/2098	बुध 05/10/2112
राहु 05/06/2069	गुरु 09/02/2082	शनि 04/02/2091	बुध 02/10/2099	केतु 24/10/2113
गुरु 04/02/2072	शनि 22/01/2083	बुध 05/07/2092	केतु 28/02/2100	शुक्र 25/07/2116
शनि 05/04/2075	बुध 29/11/2083	केतु 03/02/2093	शुक्र 30/04/2101	00/00/0000
बुध 03/02/2078	केतु 05/04/2084	शुक्र 05/10/2094	सूर्य 05/09/2101	00/00/0000
केतु 05/04/2079	शुक्र 05/04/2085	सूर्य 05/04/2095	चंद्र 06/04/2102	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 3 वर्ष 7 मा 24 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।